नाम	: Sample
लिंग	: स्त्री
जन्म तिथि	: 29 मार्च, 1985 शुक्रवार
जन्म समय (Hr.Min.Sec)	: 09:20:00 AM Standard Time
समय मेखल (Hrs.Mins)	: 05:30 ग्रीनवीच रेखा के पूर्व
जन्म स्थल	: Payyannur
रेखांश : अक्षांश (Deg.Mins)	: 75.12 पूरब , 12.6 उत्तर दिशा
अयनांश	: चित्रपक्ष उ 23 डिग्रि. 38 मिनिट. 49 सेकेन्ड.
जन्म नक्षत्र - नक्षत्र पद	: आर्द्र - 1
जन्म राशी - राशी का देव	: मिथुन - बुध
लग्न - लग्न का देव	: वृषभ - शुक्र
तिथि	: सप्तमि, शुक्लपक्ष

निरायन संक्षिप्त (डिग्रि. मिनिट. सेकेन्ड.)

गृह	राशी	रेखांश	नक्षत्र/पद	गृह	राशी	रेखांश	नक्षत्र/पद
लग्न	वृषभ	2:9:47	कृत्तिका / 2	गुरु	मकर	16:48:27	श्रावण / 3
चन्द्र	मिथुन	8:45:35	आर्द्र / 1	शनि	वृशचिक	4:5:26R	अनुराधा / 1
रवि	मीन	14:45:40	उत्तर भद्रपाढा / 4	राहु	मेष	26:53:8	कृत्तिका / 1
बुध	मीन	23:51:53R	रेवत्ति / 3	केतु	तुला	26:53:8	विशखा / 3
शुक्र	मीन	23:57:23R	रेवत्ति / 3	गुलिक	मेष	25:28:57	भरणी / 4
मंगल	मेष	16:25:22	भरणी / 1				

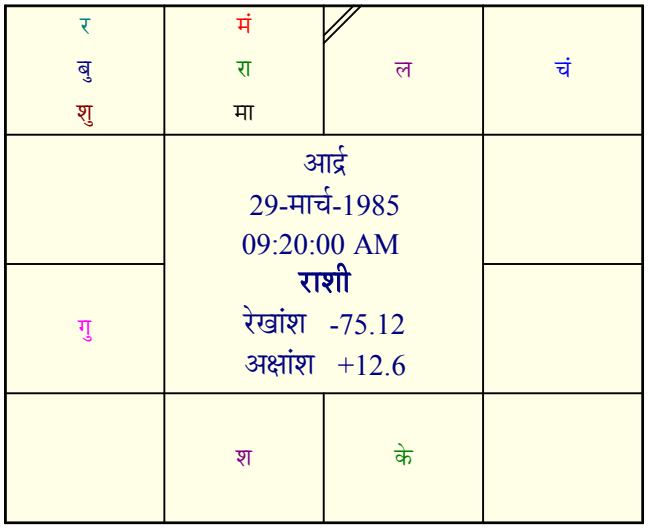

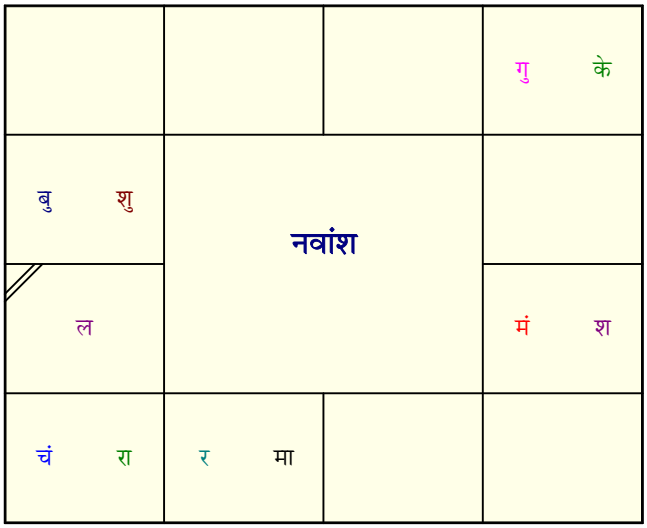

जन्म के समय दशा की समतुलना = राहु 15 साल, 2 महीने, 2 दिन

वैवाहिक जीवन और सातवें स्थान की ग्रहदशा।

वैवाहिक जीवन से जुड़े हुए गुण दोष का निर्णय, सातवें स्थान, सप्तमेश, सप्तमकारक और अन्य ग्रहों की युति-दृष्टि के आधार पर किया जाता है।

सातवाँ भावाधिपति बारहवें स्थान पर है। अपने विचारों को बिना भय अभिव्यक्त करने में समर्थ हैं। पुरुष समूह के बीच संकोच विहिन स्थिति के साथ आप अपना कार्य कर सकती हैं। पति के मित्रों से बिना संकोच बातचीत करने के आदि हैं। समाज में चर्चा के विषय से मुक्त रहने के लिए अपने व्यवहार को नियंत्रण में रखना लाभदायक होगा। अन्यथा परिवार के बीच व्यर्थ के क्लेश उत्पन्न हो सकते हैं। स्वयं के दांपत्य जीवन को क्लेश मुक्त रखने का प्रयास करनी होगी । आप समय के पाबंद होने का प्रयास करेगी। कर्तव्यनिष्ठ बनने की कोशिश होगी, फिर भी जितनी सफलता मिलनी चाहिए उतनी सफलता उपलब्ध न होगी। आप के पति का कार्यक्षेत्र ही ऐसा है जहाँ कर्तव्यनिष्ठ होना कम संभव है। पति की प्रतीक्षा कभी-कभी उद्वेग पूर्ण वातावरण का सर्जन कर देती है। आप को स्त्रीहठ के प्रयोग का इस्तेमाल करना पड़ेगा। मातृपद योग प्रकार से सुशोभित होगा। संतानों के अभ्यास कार्य के पीछे आप को ज़्यादा ध्यान देना पड़ेगी। क्षमा वीरस्य भूषणम्' बातों को समझनेवाले अनेक संजोगों का सामना करना होगी ।

सातवें स्थान का भावाधिपति पापगृहों के नज़दीक रहने से हर तरह से सब के साथ सावधानी से व्यवहार करना अनिवार्य है। यात्रा के समय ज़्यादा सावधान रहना लाभदायी होगा।

पूर्व दिशा से जीवनसाथी प्राप्त होने की संभावना दिखाई देती है।

आपके पति लंबे कद और गौवर्णी बदन के व्यक्ति होंगे। वह सुन्दर और सबके आकर्षण का केन्द्र होंगे।

शनि आपकी सातवीं राशि में हैं। विवाह में देरी होने की संभावना है। आप ईश्वर पर भरोसा रखकर तीर्थस्थान की यात्रा करेगी। आपको एक योग्य पति प्राप्त होगी। आप अपने पति के रूप सौन्दर्य, स्वभाव और व्यक्तित्व पर चर्चा करने में असमर्थ हैं। आपका विवाह एक अविचारित परिस्थिति में होने की संभावना है। आप के पति आयु में आपसे बड़े या कद से बड़े या सांवले होंगे। आपको अपने जन्म स्थान से दूर रहने का अवसर प्राप्त होगी। सिर संबन्धी रोग या कोई चोट लगने पर सचेत रहना आवश्यक है। बीमारी के चिन्ह प्रकट होते ही उसका उपचार विलंब रहित करना लाभदायक रहेगा।

शुक्र पापगृहों से प्रभावित है। इस कारण पति और आपके बीच बार-बार मनःदुख होने की संभावना है। छोटे झगड़े
महास्वरूप न ले पायें इसकी आपको सावधानी रखनी होगी। परंपरा का त्याग शीघ्रता में न करना ही लाभप्रद होगा।

शुक्र दशा पराकाष्ठा पर पहुँची है। अन्य दोषों के प्रभाव को क्षीण करने में यह मदद रूप बन पायेगी। अन्य श्रेष्ठ फल की भी प्राप्ति होगी।

विवाह के लिए अनुकूल समय

सातवी अधिपति, सातवी भाव में उपस्थित गृह जैसे शुक्र, राहु, चन्द्र , बृहस्पति का दृष्टि और अन्य विषयों को ध्यान में रखकर प्रस्तुत दाश । अपहारा समय विवाह के लिए अनुकूल दिखाई पढ़ता है ।

१८ उम्रे से लेकर ५० उम्र तक का विश्लेषण.

दशा	अपहार	काल प्रारंभ	काल के अन्त समय	छान-बीन
गुरु	शनि	19-07-2002	30-01-2005	अनुकूल
गुरु	शुक्र	13-04-2008	13-12-2010	अनुकूल
गुरु	चन्द्र	01-10-2011	30-01-2013	अनुकूल
गुरु	मंगल	30-01-2013	06-01-2014	अनुकूल
गुरु	राहु	06-01-2014	31-05-2016	अनुकूल
शनि	बुध	04-06-2019	11-02-2022	अनुकूल
शनि	केतु	11-02-2022	23-03-2023	अनुकूल
शनि	शुक्र	23-03-2023	23-05-2026	उचित
शनि	रवि	23-05-2026	05-05-2027	अनुकूल
शनि	चन्द्र	05-05-2027	03-12-2028	उचित
शनि	मंगल	03-12-2028	12-01-2030	उचित
शनि	राहु	12-01-2030	18-11-2032	उचित
शनि	गुरु	18-11-2032	01-06-2035	अनुकूल

कुजदोष

जन्मपत्रिका में मंगल के प्रभाव को महत्वपूर्ण द्रष्टी से देखा जाता है। मंगल या कुज विवाह संबन्धी कार्यों पर अपना प्रभाव डालने वाला होता है। जब मंगल जन्मकुंडली के सातवें या आठवें स्थान पर रहता है तो अमंगलकारी या दोषयुक्त माना जाता है। शास्त्रोक्त ग्रन्थों के आधार से यह पता चलता है कि सातवें या आठवें स्थान पर रहते हुए मंगल, दोष ग्रस्त होकर भी उसका प्रभाव खास कारण से क्षीण हो जाता है या अप्रिय हो जाता है। कुज दोष या मंगलदोष को समझने के लिये यहाँ विस्त्रित रूप से विश्लेषण किया गया है। निम्न लिखित बातों से पता चलता है कि आपकी जन्मपत्रिका में मंगल किस प्रकार शुभ-अशुभ फल उत्पन्न करता है।

इस जन्मपत्रिका में मंगल, जन्म कुंडली में बारहवाँ स्थानपर रहा है।

यह स्थिती दोषग्रस्त है और कुछ हद तक अमंगलकारी बनी रही है।

जन्मकुंडली में लग्न स्थान की अपेक्षा मंगलदोष का विश्लेशण किया गया है।
इस जन्मकुंडली में मंगल का दोष दिखाई देता है।

स्पष्टीकरण

विचारपूर्ण और वास्तव स्वभाव आपकों सुखी परिवार जीवन में मदद करेगा। आप आत्मविश्वास और मेहनत सें अनचाही परिस्थीत का सामना कर सकते है। हमेशा चतुर योजना बनाए और ध्यान सें खर्च करें। आपकी इच्छा अनुसार कुछ मिलनें में आप भाग्यशाली नही रहेंगे। आप प्रामाणिकता पर भरोसा रख कर कठिणाईयों पर जीत पा सकते है। कुटूंब सदस्यों की आवश्यकता पर जादा ध्यान देने सें आप सुखी इन्सान बन सकते है। जिद्दी स्वभाव टालें और घर में मित्रता सें पेश आयें ।

उपचार

बारावें घरकें कुज कें अशुभ परिणाम कम करने हेतू, आप निचे दियें उपाय कर सकते है

नवग्रह देवताओं के मंदिर जाकर भगवान आदित्य को अभिषेक कर अर्चना करें। हर बार देवताओं को १२ परिक्रमा लगाऐं और शाम को ७ तेल के दिपक जलाऐं । लग्न के कुज के साथ जन्मे ७ सुमांगली स्त्रीयों को लाल रंग के वस्त्र भेट देते हुऐ शुक्लपक्ष चतुर्थि पर नवग्रह होम रखें।

राहु दोष और केतु दोष

राहु और केतु अस्पष्ट ग्रह है। उनकी ग़ति परस्पर संबंधित है और एकही अंग के भाग होने के कारन सभी समय वह एक दुसरों कें विरूद्ध है किन्तु दृष्टि सें विचार करते हुए, वह एक दुसरों सें संबंधित है।

सामान्य रूपसें, राहु सकारात्मक है और गुरूकें प्रती लाभदायी है और इसलिए वह विकास और स्व-मदद कें लिए कार्य करता है और केतु बंधन और शनीकें विघ्न दर्शाता है और इसलिए विकास में बाधा लाता है। इसप्रकार, राहु सकारात्मक उद्देश्य दर्शाता है और केतु विकास की सहज संधि दर्शाता है।

इसलिए, राहु भौतीकवाद और इच्छा सूचित करता है, तथा केतु आध्यात्मिक प्रवृत्ति और भौतीकवाद क़ी सुक्ष्मता प्रक्रिया दर्शाता है। राहु को कपट, धोखा और बेईमानी कें लिए माना जाता है।

राहु दोष

दृढता सें और विनयशील मेहनत सें आपको पैसा कमाने में सहायता मिल सकती है। आप सावधता सें व्यवहार आणि नियंत्रीत खर्चा करके आर्थीक स्थिरता प्राप्त करेंगे। लोग आपके दयालू स्वभाव की तारीफ करेंगे, किन्तु आपने दुसरों पर अंधा विश्वास नही रखना चाहिए। बुरी मित्रता और प्रभाव आपका परिवार जीवन अस्वस्थ कर सकता है। निजी इच्छा पर नियंत्रण रखकर और जो मिला उसमें सुख मानकें आप जादा जिम्मेदार बन सकते है। शांत स्वभाव सें प्यारे इन्सान आपके जादा पास आयेंगे। आप कों साथी कें स्वास्थ्य पर जादा ध्यान देना पडेगा। खाने की अच्छी आदतें और आखों का जादा ध्यान रखने सें आपका स्वास्थ्य अच्छा रहेगा। बच्चो के मामलों का हमेशा ध्यान रखे।

दुर्बल राहू मन की शांती कम रहेगी ऐसा सूचित करता है।

राहु दोष कें उपाय

राहु कें अशुभ परिणाम कम करनें हेतू, आप निचे दिये उपाय कर सकते है।

सर्पयंत्र लेकर समर्पीत भाव सें पहनें।

वैदिक प्रतिष्ठा पद्धती सें नवग्रह देवता की रचना करकें क़ाली दाल लेकर उसका राहु को भोग दिखाये (दक्षीण-पश्चीम बैठकर चेहरा पूर्व दिशा में रखे)

छिलको वाली कुछ प्रमाण में काली दाल लें और उसे सोने से पहले तकिया कें निचे रखे। आपनें उस दाल कों सुबह सिर कें सभी ओर गोल घुमाकर कौवे कों डालना चाहिए। यह लगातार ९ दिन करें, और १० वे दिन भगवान शिव या देवी कें मंदीर में स्वेच्छा सें दान करकें दर्शन लें ।

कुछ मंदीर में बरगद का पेंड और निम का पेंड बढता है, और उसके पास नाग देवता होती है। ऐसे देवता कों हलदी का अभिषेक

करकें परिक्रमा करें।

सुब्रमण्यम स्वामी को बेल पत्री अर्पण करें।

जीवन में राहु का परिणाम कम करनें हेतू हररोज निचें दिया गया श्लोक पढें।

आस्मिक मंडले अधिदेवता
प्रत्याधिदेवता सहिथम राहुग्रहम
ध्यायामी अवहायामि.

श्रीं ॐ नमो भगवती श्री शूलिनि
सर्व भुतेश्वरी ज्वाला ज्वाला मायि सुप्रदा
सर्व भुतादि दोषाया दोषाया
राहुर ग्रह निपीदिथात नक्षत्रे
राशोउ जाथम सर्वनाम माम
मोक्षया मोक्षया स्वाः

केतु दोष

इस जन्मकुंडली में केतु दोष नही है।

केतु दोष हेतू उपाय

आपकी जन्मकुंडली में केतु दोष न होने से , आपने उपाय करनें की जरूरत नही।

दशा और भुक्ती का विवरण काल

(साल = 365.25 दिन)
जन्म के समय दशा की समतुलना = राहु 15 साल, 2 महीने, 2 दिन

दशा	भुक्ती	आरंभ	अन्तिम
राहू	गुरु	29-03-1985	08-07-1987
राहू	शनि	08-07-1987	14-05-1990
राहू	बुध	14-05-1990	30-11-1992
राहू	केतू	30-11-1992	18-12-1993
राहू	शुक्र	18-12-1993	18-12-1996
राहू	सूर्य	18-12-1996	12-11-1997
राहू	चन्द्र	12-11-1997	14-05-1999
राहू	कुज	14-05-1999	31-05-2000
गुरु	गुरु	31-05-2000	19-07-2002
गुरु	शनि	19-07-2002	30-01-2005
गुरु	बुध	30-01-2005	08-05-2007

गुरु	केतू	08-05-2007	13-04-2008
गुरु	शुक्र	13-04-2008	13-12-2010
गुरु	सूर्य	13-12-2010	01-10-2011
गुरु	चन्द्र	01-10-2011	30-01-2013
गुरु	कुज	30-01-2013	06-01-2014
गुरु	राहू	06-01-2014	31-05-2016
शनि	शनि	31-05-2016	04-06-2019
शनि	बुध	04-06-2019	11-02-2022
शनि	केतू	11-02-2022	23-03-2023
शनि	शुक्र	23-03-2023	23-05-2026
शनि	सूर्य	23-05-2026	05-05-2027
शनि	चन्द्र	05-05-2027	03-12-2028
शनि	कुज	03-12-2028	12-01-2030
शनि	राहू	12-01-2030	18-11-2032
शनि	गुरु	18-11-2032	01-06-2035
बुध	बुध	01-06-2035	28-10-2037
बुध	केतू	28-10-2037	25-10-2038
बुध	शुक्र	25-10-2038	25-08-2041
बुध	सूर्य	25-08-2041	01-07-2042
बुध	चन्द्र	01-07-2042	01-12-2043
बुध	कुज	01-12-2043	27-11-2044
बुध	राहू	27-11-2044	16-06-2047
बुध	गुरु	16-06-2047	21-09-2049
बुध	शनि	21-09-2049	31-05-2052
केतू	केतू	31-05-2052	27-10-2052
केतू	शुक्र	27-10-2052	28-12-2053
केतू	सूर्य	28-12-2053	04-05-2054
केतू	चन्द्र	04-05-2054	03-12-2054
केतू	कुज	03-12-2054	02-05-2055
केतू	राहू	02-05-2055	19-05-2056
केतू	गुरु	19-05-2056	25-04-2057
केतू	शनि	25-04-2057	04-06-2058
केतू	बुध	04-06-2058	01-06-2059
शुक्र	शुक्र	01-06-2059	01-10-2062
शुक्र	सूर्य	01-10-2062	01-10-2063
शुक्र	चन्द्र	01-10-2063	01-06-2065
शुक्र	कुज	01-06-2065	01-08-2066
शुक्र	राहू	01-08-2066	31-07-2069
शुक्र	गुरु	31-07-2069	31-03-2072
शुक्र	शनि	31-03-2072	01-06-2075
शुक्र	बुध	01-06-2075	01-04-2078

शुक्र	केतू	01-04-2078	01-06-2079
सूर्य	सूर्य	01-06-2079	19-09-2079
सूर्य	चन्द्र	19-09-2079	19-03-2080
सूर्य	कुज	19-03-2080	25-07-2080

नीचे खीची गई रेखा, आपके आयुष्य को बताने वाली रेखा नही है।

With best wishes : Astro-Vision Futuretech Pvt.Ltd.
First Floor, White Tower, Kuthappadi Road, Thammanam P.O - 682032

[Marriage Report 1.0]

Note:

This report is based on the data provided by you and the best possible research support we have received so far. We do not assume any responsibility for the accuracy or the effect of any decision that may be taken on the basis of this report.